



## RBI ने AIF में ऋणदाताओं के लिये मानदंड मज़बूत किये

स्रोत: [इंडियन एक्सप्रेस](#)

### चर्चा में क्यों ?

**भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** ने हाल ही में **बैंकों**, **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs)** जैसी **वनिियमति संस्थाओं (REs)** को तनावग्रस्त ऋणों की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक कदम उठाया है और अन्य ऋणदाताओं को **वैकल्पिक निवेश कोष (AIFs)** की किसी भी योजना में निवेश नहीं करना चाहिये, जिसमें देनदार कंपनी में अनुप्रवाह (downstream) निवेश हो।

- **वनिियमति संस्थाएँ (REs)** अपने नियमति निवेश पर्यालन के हिससे के रूप में AIF की इकाइयों में निवेश करती हैं। हालाँकि, RBI ने कहा कि AIF से जुड़ी वनिियमति संस्थाओं के कुछ लेन-देन, **नियामक चर्चाओं** को बढ़ाते हैं।

### AIF से संबंधित वनिियमति संस्थाओं के लिये आरबीआई के हालिया नरिदेश क्या हैं?

- आरबीआई ने **उधारकर्त्ताओं को दिये गए प्रत्यक्ष ऋण को वनिियमति संस्थाओं द्वारा AIF इकाइयों में निवेश के साथ बदलने पर ज़ोर दिया**, जो अप्रत्यक्ष रूप से उधारकर्त्ताओं से जुड़ा हुआ है। इससे ऋण को दवालिया के रूप में
- करने से बचने के लिये **एवरग्रीनिंग लोन** की प्रथा के बारे में चर्चाएँ बढ़ गईं।
  - **“एवरग्रीनिंग लोन”** एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत एक ऋणदाता उसी उधारकर्त्ता को अधिक ऋण देकर उस ऋण को पुनर्जीवित करने का प्रयास करता है जो दवालियापन के कगार पर है या डफ़ॉल्ट की स्थिति में है।
- आरबीआई का **नरिदेश स्पष्ट रूप से वनिियमति संस्थाओं को वनिियमति संस्थाओं से संबंधित देनदार कंपनियों में अनुप्रवाह निवेश के साथ AIF योजनाओं में निवेश करने से रोकता है।**
  - नरिदेश के अनुसार, ऐसे मामलों में जहाँ एक AIF जिसमें RE पहले से ही एक निवेशक है तथा ऋणी कंपनियों में डाउनस्ट्रीम निवेश करता है तो **RE को 30 दिनों के भीतर अपना निवेश समाप्त करना होगा।**
  - यदि RE नरिधारित समय सीमा के भीतर अपने निवेश को समाप्त करने में सक्षम नहीं है, तो उन्हें **ऐसे निवेश पर 100% प्रावधान** प्रदान करना होगा।
    - प्रावधान किसी कंपनी अथवा वित्तीय संस्थान द्वारा भवषिय के प्रत्याशित व्यय अथवा हानियों को पाटने के लिये नरिधारित अथवा आरक्षित राशि है।

### नोट:

डाउनस्ट्रीम निवेश, AIF द्वारा निवेशकों से जुटाए गए धन का उपयोग करके **कंपनियों में किये गए वास्तविक निवेश** को संदर्भित करता है।

### वैकल्पिक निवेश नधि क्या है?

- **परचिय:** वैकल्पिक निवेश नधि (Alternative Investment Funds- AIF) का तात्पर्य भारत में स्थापित अथवा गठित एक नधिसे है, **जेमिजी तौर पर एकत्रित निवेश तंत्र** के रूप में कार्य करता है।
  - यह एक विशेष निवेश नीति के अनुसार निवेश (**घरेलू हो या अंतर्राष्ट्रीय**) करने के उद्देश्य से, परिष्कृत निवेशकों से धन एकत्रित करता है, जिससे अंततः अपने निवेशकों को लाभ होता है।
  - ये निवेश तंत्र **SEBI (वैकल्पिक निवेश नधि) वनिियम, 2012** का अनुपालन करते हैं।
  - दसिंबर, 2023 तक, 1,220 AIF **भारतीय प्रतभित और वनिियम बोर्ड (SEBI)** के साथ पंजीकृत थे।
- **भारत में AIF के प्रकार:** SEBI ने AIF को तीन मुख्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया है-
  - **श्रेणी-I:** AIF के माध्यम से **स्टार्टअप, शुरुआती चरण के उद्यमों, सामाजिक पहल, SME, आधारभूत अवसंरचना** अथवा अधिकारियों द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक रूप से लाभकारी समझे जाने वाले क्षेत्रों में निवेश किया जाता है।

- इसमें **उद्यम पूंजी** (Venture Capital), **सामाजिक उद्यम नधि** (Social Venture Funds), **अवसंरचना नधि** और कोई अन्य नरिदषिट वैकल्पिक नविश नधि शामिल हैं।
- **श्रेणी-II**: ऐसे AIFs जो **श्रेणी-I** और **III** के अंतर्गत नहीं आते और जो **दनि-प्रतदिनि** की परचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा अन्य लेन-देन नहीं करते अथवा उधार नहीं लेते।
  - इनमें **रयिल एस्टेट फंड**, **प्राइवेट इक्विटी फंड (PE फंड)**, **डस्ट्रेस्ड ऐसेट फंड** और इसी तरह के अन्य फंड शामिल हैं।
- **श्रेणी-III**: AIFs जो **वविधि** या **जटलि व्यापारिक रणनीतियों** को नयोजित करते हैं तथा सूचीबद्ध या गैर-सूचीबद्ध डेरिवटिव में नविश सहति लाभ प्राप्त कर सकते हैं।
  - वभिनिन प्रकार के फंड जैसे **हेज फंड**, **PIPE (सार्वजनिक इक्विटी में नजी नविश) फंड** आदि श्रेणी-III AIF के रूप में पंजीकृत हैं।
- **वधिकि प्रारूप**: AIF को एक **न्यास/ट्रस्ट** या **कंपनी** अथवा **सीमति देयता भागीदारी** या **कॉर्पोरेट नकिय** के रूप में स्थापति कया जा सकता है।
  - सेबी के साथ पंजीकृत अधिकांश AIF **ट्रस्ट/न्यास** के रूप में हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/rbi-strengthens-norms-for-lenders-in-aifs>

